आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 06.02.2026 समय : 1905

<><><><><><><>

1. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने लोकप्रिय संवाद कार्यक्रम परीक्षा पे चर्चा के 9वें संस्करण में छात्रों से बातचीत की। प्रधानमंत्री ने तनाव और चिंता से निपटने के तरीको पर जोर दिया।

2. राष्ट्रीय एकता और समुद्र तट सुरक्षा को समर्पित सी.आई.एस.एफ. वंदेमातरम तटीय साइक्लोथॉन यात्रा आंध्रप्रदेश के श्रीकाकुलम पहुंची।

3. स्वास्थ्य सेवा विभाग ने वर्ष दो हजार पच्चीस के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा निर्धारित गुणवता प्रमाणीकरण लक्ष्य को प्राप्त किया।

4. द्वीप समूह के समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को पुर्नजीवित करने की दिशा में पर्यटन विभाग द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

<><><><><><><>

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विद्यार्थियों के साथ अपने लोकप्रिय संवाद कार्यक्रम 'परीक्षा पे चर्चा' के 9वें संस्करण के दौरान छात्रों से बातचीत की। इस वर्ष दिल्ली स्थित प्रधानमंत्री आवास पर देवमोगरा, कोयंबटूर, रायपुर, गुवाहाटी के छात्रों के साथ संवादात्मक सत्र आयोजित किए गए। आज जारी एक वीडियो में, प्रधानमंत्री ने परीक्षा के दौरान तनाव और चिंता से निपटने के तरीकों पर छात्रों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक छात्र की अपनी एक अलग शैली होती है, और उन्हें अपनी तैयारी के तरीके पर पूरा विश्वास रखना चाहिए।

श्री मोदी ने छात्रों से शिक्षकों, अभिभावकों और मार्गदर्श कों द्वारा दिए गए सुझावों को ध्यान से सुनने और उन्हें गहराई से समझने पर जोर दिया। प्रधानमंत्री ने विद्यार्थियों को दूसरों की नकल करने के बजाय, उन्हें मिलने वाली किसी भी सलाह में अपने अनुभव को जोड़ने के लिए प्रोत्साहित किया। श्री मोदी ने कहा कि सच्चा आत्मविश्वास तब आता है जब मार्गदर्शन को आत्म–विश्वास के साथ जोड़ा जाता है। प्रधानमंत्री ने अधिक अंक और कौशल के बीच कौन अधिक महत्वपूर्ण है के जवाब में कहा कि जीवन के हर पहलू में संतुलन आवश्यक है। उन्होंने समझाया कि अंकों या कौशल में से किसी एक तरफ अधिक झुकाव असंतुलन पैदा कर सकता है, जबकि सही संतुलन बनाए रखने से स्थिरता और विकास सुनिश्चित होता है।

उन्होंने कहा कि आराम के क्षेत्र जीवन को आकार नहीं देते, बल्कि जीने का तरीका आकार देता है। उन्होंने छात्रों से बड़े सपने देखने, कम डरने और महापुरूषों की जीवनियों से प्रेरणा लेने को कहा।

<><><><><><>

सी.आई.एस.एफ. वंदेमातरम तटीय साइक्लोथॉन–2026 ने आज आंध्रप्रदेश में दूसरे दिन भी अपना सफर जारी रखा और यह श्रीकाकुलम जिले से गुजरी। श्रीकाकुलम शहर के अरसावल्ली मंदिर परिसर में साइक्लोथॉन टीम का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। जिलाधिकारी स्वप्ना ने साइक्लोथॉन को रवाना किया और मंदिर की परंपराओं के अनुसार उनका पारंपरिक स्वागत किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि विशाल तटरेखा के कारण श्रीकाकुलम का देश में विशेष स्थान है। उन्होंने कहा कि तट की रक्षा करना सामूहिक जिम्मेदारी है और तटीय सुरक्षा में जन जागरूकता और भागीदारी का आह्वान किया। जिलाधिकारी ने कहा कि साइक्लोथॉन सराहनीय पहल है। इसका उद्देश्य राष्ट्रीय एकता और अखंडता को बढ़ावा देते हुए तटरेखा की रक्षा करना है।

<><><><><><>

अंडमान निकोबार द्वीपसमूह में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज की गई है। स्वास्थ्य सेवा विभाग, अंडमान निकोबार प्रशासन ने वर्ष 2025 के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा निर्धारित गुणवत्ता प्रमाणीकरण लक्ष्य को प्राप्त कर लिया है। द्वीपसमूह के कुल 75 स्वास्थ्य संस्थानों को राज्य स्तरीय राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाणन प्राप्त हुआ है, जिनमें से 30 आयुष्मान आरोग्य मंदिर/उप–केंद्रों ने राष्ट्रीय स्तर का NQAS प्रमाणन हासिल किया है। इन 30 प्रमाणित आयुष्मान आरोग्य मंदिरों/उप–केंद्रों में दक्षिण अंडमान जिले के 16, निकोबार जिले के 4 तथा उत्तर एवं मध्य अंडमान जिले के 10 केंद्र शामिल हैं। NQAS प्रमाणन स्वास्थ्य सेवाओं में रोगी सुरक्षा, मानकीकृत चिकित्सीय देखभाल और प्रभावी प्रशासन सुनिश्चित करने वाला एक राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त मानक है, जो निरंतर गुणवत्ता सुधार, जवाबदेही और सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं में जनविश्वास को बढ़ावा देता है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली संसाधन केंद्र के सहयोग से आयोजित गहन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के परिणामस्वरूप पिचानबे फ्रंटलाइन स्वास्थ्य कर्मियों ने आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा उत्तीर्ण की है। अंडमान निकोबार प्रशासन ने भविष्य में सभी सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थानों में NQAS प्रमाणन का विस्तार करने और द्वीपवासियों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को निरंतर बेहतर बनाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है।

<><><><><><>

अंडमान निकोबार द्वीपसमूह की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को पुनर्जीवित करने की दिशा में पर्यटन विभाग द्वारा एक विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। पर्यटन विभाग, अंडमान निकोबार द्वीपसमूह द्वारा कालापानी फाग मंडली के सहयोग से द्वीपवासियों एवं पर्यटकों को पारंपरिक लोक–संगीत परंपरा 'फाग' से रूबरू कराने के लिए कल मरीना एस्प्लेनेड में शाम साढ़े छ बजे से साढ़े आठ बजे तक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। फाग गीत द्वीपों की सामाजिक और सांस्कृतिक संरचना को प्रतिबिंबित करते हैं तथा पूर्व में सामुदायिक उत्सवों का अभिन्न हिस्सा रहे हैं। यह आयोजन अंडमान की मिश्रित सांस्कृतिक विरासत को दर्शाता है और धीरे–धीरे विलुप्त होती जा रही इस लोक परंपरा के संरक्षण एवं पुनरुत्थान का प्रयास है। कार्यक्रम के माध्यम से स्थानीय निवासियों और पर्यटकों को द्वीपों की जीवंत सांस्कृतिक विरासत की एक प्रामाणिक झलक देखने को मिलेगी। पर्यटन विभाग ने आम जनता से इस सांस्कृतिक उत्सव में शामिल होकर द्वीपों की कालजयी परंपराओं से सजी फाग की मधुर धुनों का आनंद लेने की अपील की है।

<><><><><><><>

शिक्षा निदेशालय, अंडमान एवं निकोबार प्रशासन द्वारा खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से खेल सामग्री की आपूर्ति हेतु कोटेशन आमंत्रित किए गए हैं। सहायक निदेशक (शारीरिक शिक्षा/खेल) ओर से जारी सूचना के अनुसार प्रतिष्ठित स्थानीय फर्मों एवं आपूर्तिकर्ताओं से फुटबॉल से संबंधित विभिन्न खेल सामग्रियों की आपूर्ति के लिए सीलबंद कोटेशन मांगे गए हैं। इच्छुक फर्मों को अपने सीलबंद कोटेशन सहायक निदेशक के नाम संबोधित करते हुए जमा करना होगा। कोटेशन शिक्षा निदेशालय कार्यालय के खेल अनुभाग, वीआईपी रोड में 13 फरवरी को सुबह दस बजे तक मिल जाने चाहिए, प्राप्त कोटेशन उसी दिन दोपहर बाद तीन बजे क्रय समिति की उपस्थिति में खोले जाएंगे। आपूर्तिकर्ता अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधि इस अवसर पर उपस्थित रह सकते हैं। विलंब से प्राप्त या अपूर्ण कोटेशन पर विचार नहीं किया जाएगा।

<><><><><><><>